लखनऊ जागरण 6 | दैनिक जागरण लखनऊ, 28 अक्टूबर 2015

यूपी में खुलेगा पहला नदी व बाढ़ शोध संस्थान

एकेटीयू में होगा शोध

- नदी व बाढ़ शोध संस्थान में होगी बीटेक की पढ़ाई व विश्व स्तरीय शोध
- पढ़ाई व रिसर्च के बाद विद्यार्थियों का सिंचाई विभाग में प्लेसमेंट भी करवाया जाएगा

जागरण संवाददाता, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा शोध संस्थान खोला जाएगा, जिसमें सिर्फ नदियों व बाढ़ पर विश्वस्तरीय रिसर्च की जाएगी। इसमें विद्यार्थियों को बीटेक व एमटेक कोर्स की पढ़ाई करवाई जाएगी और उसके साथ-साथ पीएचडी भी होगी। नदियों की स्थिति और बाढ़ पर यहां बेहतर शोध होगा और उसके निष्कर्ष नदियों को नया जीवन देने और बाढ़ से किस तरह बचाव किया जाए इसके लिए काफी लाभदायक साबित होंगे। एकेटीयू की कोशिश होगी कि जो विद्यार्थी यहां से बीटेक व रिसर्च करके बाहर निकले उसे सिंचाई विभाग में आराम से जॉब भी मिल जाए।

एकेटीयू के जानकीपुरम स्थित निर्माणाधीन कैंपस में इस शोध संस्थान को बनाया जाएगा। एकेटीयू के अधिकारियों व शासन के उच्च अधिकारियों के साथ इसे लेकर बैठक भी हो चुकी है। वर्तमान समय में नदियों को प्रदूषण से बचाना और उनमें स्वच्छ व निर्मल जल का प्रवाह बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वहीं नदियों की बाढ़ से आज भी यूपी के ही कई जिले काफी प्रभावित रहते हैं। फिलहाल इस नए शोध संस्थान के खुलने से नदी व बाढ़ पर विश्वस्तरीय शोध को बढ़ावा मिलेगा और विद्यार्थियों को इसमें बीटेक कराने का मौका मिल जाएगा।

इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्ट्डी भी खोला जाएगा

एकेटीयू में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्ट्डी भी खोला जाएगा। यहां पर भी अत्याधुनिक शिक्षा विद्यार्थियों को दी जाएगी। इसमें एमटेक कोर्सेज चलेंगे और रिसर्च की भी सुविधा होगा। एकेटीयू को विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनाने के लिए बेहतर रिसर्च पर जोर दिया जा रहा है।